ग्रेनफेल कार्य समूह

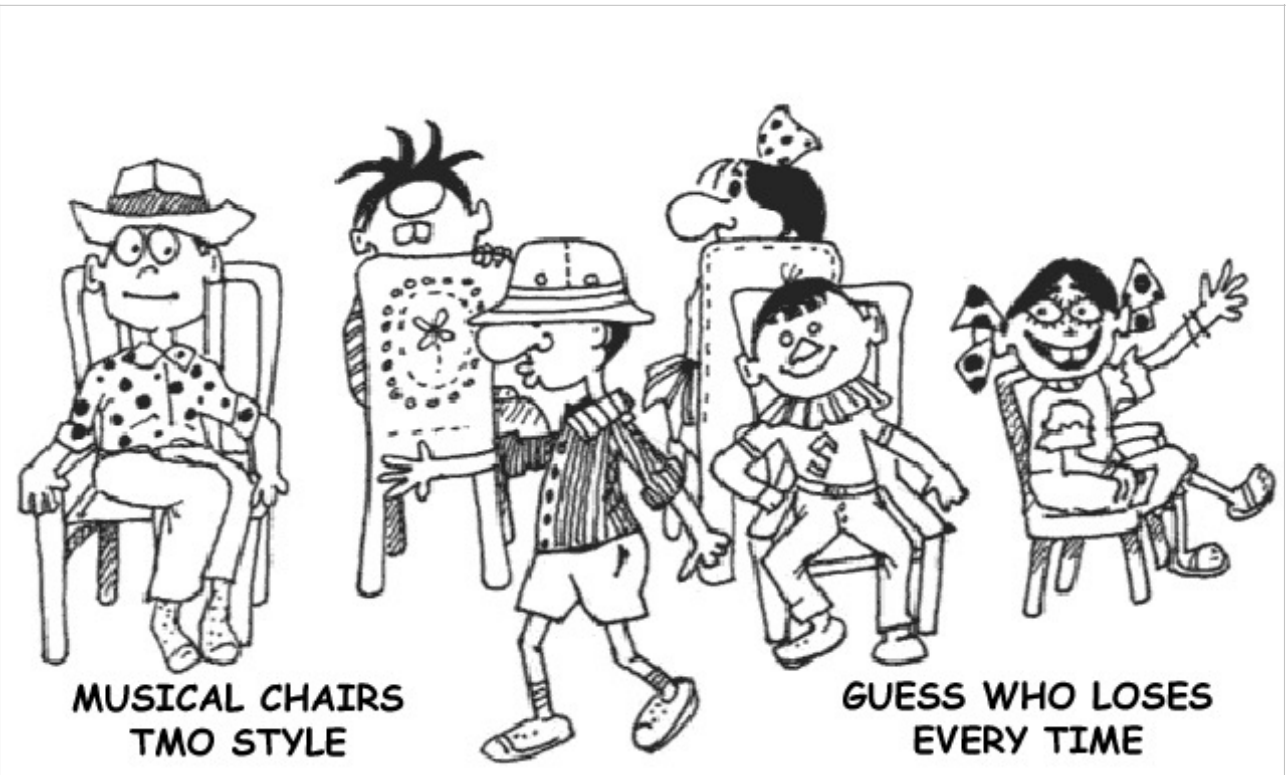

म्यूजिकल चेयर्स TMO के तरीके से	अनुमान लगाएं हर बार कौन हारता है

KCTMO – FOI दोहरी बातें एवं दोहरे मानदंड

सिर्फ कुछ दिन पहले मुझे सिनीड मैक्क्विलन (Sinead McQuillan) से एक ई-मेल प्राप्त हुआ, जो TMO कंपनी की सचिवों की लंबी शृंखला में से नवीनतम हैं, तथा, जिसमें उन्होंने 12 वर्ष पूर्व 2005 में KCTMO के द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के लिए मेरे अनुरोध को खारिज कर दिया था। मैं उस समय लैंकेस्टर वेस्ट इस्टेट प्रबंधन बोर्ड का एक सदस्य था और हमारे इस खुलासे के बाद कि TMO के द्वारा किए गए एक नियमित निरीक्षण में ग्रेनफेल टॉवर की दो तिहाई आपातकालीन प्रकाश इकाईयाँ (लाइटिंग युनिट्स) असफल पाई गईं, EMB के बहुत ज्यादा दवाब में यह रिपोर्ट तैयार की गई थी।

आपातकाल के समय की प्रकाश इकाईयाँ जिन बैटरी पैकों पर निर्भर करती थीं, उन्हें बिजली जाने के समय और किसी गंभीर आग के समय बाहर निकलना आवश्यक होने

पर अस्थायी प्रकाश उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किया गया था। दो तिहाई आपातकालीन प्रकाश इकाईयाँ असफल हो गईं, क्योंकि बैटरी पैक की समाप्ति तिथि बहुत पहले खत्म हो चुकी थी और अनेक वर्षों से न इनका रखरखाव किया गया था और न ही इन्हें बदला गया था। EMB ने इस बार इसे बहुत गंभीर मामला माना था। TMO द्वारा गठित सलाहकार रिपोर्ट ने हमारे साथ सहमति जताई और वह TMO एवं उसके ठेकेदारों के प्रति बहुत आलोचनात्मक थी। इसने पाया कि EMB की शिकायतों,जिन्हें TMO ने कई महिनों तक खारिज कर दिया था, का ठोस आधार था और वे पूरी तरह सिद्ध हुईं।

14 जुलाई को सुश्री मैक्क्विलन के द्वारा मुझे इस रिपोर्ट देने से इनकार करने का आधार उनका दावा था कि एक निजी लिमिटेड कंपनी होने के कारण TMO पर फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन एक्ट नहीं लागू होता है। मैक्क्विलन और मेरे बीच के बीच ईमेलों के आदान-प्रदान के सूत्र इससे ठीक पहले के ब्लॉग-पोस्ट में पुनःप्रस्तुत किया गया है: “KCTMO – लोगों का लोगों के लिए गृह प्रबंधन?’ और यह तर्क दिया जा सकता है कि फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन एक्ट की उनकी प्रत्यक्ष अवहेलना को देखते हुए और इसके कारण उनके नियंत्रण में कॉन्सिल की स्वामित्व वाले सामाजिक आवासन, KCTMO ने यह दावा करने का नैतिक अधिकार परित्यक्त खो दिया है कि वे ‘किराएदार प्रबंधन संगठन’ हैं। उनका अभी भी आज्ञापालक और भाड़े के निर्वाचित किराएदार सदस्यों के बोर्ड में नाममात्र प्रतिनिधित्व है, जो EMB सदस्यों को पहले अनुमत नाममात्र की राशि से बहुत ज्यादा वर्धित व्यय भुगतान प्राप्त करते हैं, जिन्हें TMO के द्वारा RBKC कॉन्सिल के साथ सांठगांठ कर सतत कमजोर और शक्तिहीन किया गया था।

दानवी KCTMO के निर्माण से कई वर्ष पूर्व 1993 में EMB के साथ हस्ताक्षरित प्रबंधन समझौते का पालन करने से कॉन्सिल के इनकार ने ऐसी परिस्थितियों का निर्माण कर दिया था, जिसके तहत KCTMO ने EMB की समस्त शक्तियों को हीन कर दिया। हमारे और अधिकतर TMO निवासियों, जिनकों अनेक वर्षों तक TMO की अक्षमता और लापरवाही को झेलना पड़ा है, के विचार में किराएदार बोर्ड सदस्य ‘नीच प्राणी’ हैं, जो सिर्फ आत्म-हित देखने वाली TMO नौकरशाही को नकली वैधता प्रदान करने के लिए कार्य करती है, जिसे कॉन्सिल के द्वारा निर्मित एवं सक्षम किया गया है, जिसकी यह सेवा करती है और इसमें वैधानिकता या निष्ठा का एक अंश भी नहीं है – एक ऐसा तथ्य जो इसके ग्राहकों की आम जानकारी में वर्षों से है और 14 जून के ग्रेनफेल टॉवर संकट के समय अंततः सार्वजनिक रूप से उजागर हो गया है।

अतः, फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन एक्ट के संबंध में क्या, जिसके प्रावधानों के तहत हम तार्किक रूप से आशा कर सकते हैं कि TMO उनके नियंत्रण वाले सामाजिक आवासन के नागरिकों की समक्ष अग्नि सुरक्षा एवं अन्य स्वास्थ्य तथा सुरक्षा विषयों से संबंधित सूचना का खुलासा करे?

KCTMO वेबसाइट में 'सूचना तक पहुँच' नाम का एक पृष्ठ समाहित है, जिसमें बहुत हाल तक निम्नलिखित वक्तव्य थे:

"दी डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 1998 (DPA), दी फ्री डम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट 2000 (FOI) और इनवा यरमेंटल इनफॉर्मेशन रेगूलेशंस 2004 (EIR) नागरिकों एवं सार्वजनिक सदस्यों के लिए सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा धारित या सार्वजनिक अधिकारियों से सूचना के लिए अनुरोध करना संभव बनाता है।

हमारे लिए RBKC की ओर से प्रदान की गई सेवाओं पर RBKC के लिए KCTMO द्वारा धारित सूचना लिखित अनुरोध तथा उपलब्धता के आधार पर सूचना देना जरूरी है।"

TMO सूचना तक पहुँच पहला संस्करण

मैक्क्विलन के द्वारा मेरे FOI अनुरोध को खारिज करने के कुछ दिनों के दौरान उस पृष्ठ के वक्तव्य को बदल दिया गया, जो अब इस प्रकार है:

"हालांकि TMO एक निजी नि काय है और FOI के अधीन नहीं है, हमारे लिए RBKC को FOI के तहत किन्हीं अन्य अनिवार्यता सहित इसके विधिक या नियामक अनिवार्यताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक किसी सूचना को RBKC को देना जरूरी है।

TMO अपनी खुद की पा रदर्शी कार्यावली (एजेंडा) को भी सं चा लित करता है, हालांकि FOI इस पर प्रत्यक्ष रूप से लागू नहीं होता है। इसका अर्थ है कि FOI सूचना का खुलासा करेगा जहाँ यह कर सकता है, लेकिन यदि ऐसा न करना तार्किक हो तो यह खुलासा नहीं करने का अधिकार सुरक्षित रखता है, उदाहरण के लिए TMO के वाणिज्यिक हितों, या तृतीय पक्षों के हितों की सुरक्षा के लिए या जहाँ प्रकटन आपराधिक, नियामक या अन्य जाँचों को प्रभावित कर सकता है।"

दिसम्बर 2014 में ग्रेनफेल कार्य समूह ब्लॉग के सह-संपादक एडवर्ड डाफारन ने फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट के तहत सूचना विशेषकर TMO, उनके ठेकेदार रॉय्डन और परियोजना वास्तुविद् Studio E के साथ मासिक बैठकों के चर्चावृतों की सूचना KCTMO से माँगी, जिसमें ग्रेनफेल टॉवर सुधार कार्यों की योजना से संबंधित विषयों की चर्चा की गई थी। उनके अनुरोध को मैक्क्लिन की पूर्ववर्ती फोला काफिड्या (Fola Kafidya) ने खारिज कर दिया था, जिसने दावा किया था कि यह सूचना;

“ … फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट 2000 से मुक्त है क्योंकि यह एक सार्वजनिक अधिकारी की ओर से या सार्वजनिक अधिकारी की ओर से TMO के द्वारा धारित सूचना नहीं है। फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट 2000 सार्वजनिक अधिकारियों की ओर से धारित सूचनाओं से संबद्ध है।”

विचित्र रूप से सुश्री काफिड्या, उसी ईमेल में, फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट (धारा 43, उप-धारा2) में अनुमति प्रदान की गई कुछ छूटों में से एक को उद्धृत करती हैं।

“ अपने ठेकेदारों के साथ TMO के वाणिज्यिक संचार संवेदनशील हैं और ऐसे वाणिज्यिक संचार का प्रकटन ठेकेदार के वाणिज्यिक हितों को पूर्वाग्रहित करेगा या पूर्वाग्रहित करने की संभावना है।”

इससे निम्नलिखित प्रश्न उठता है: यदि काफिड्या वास्तव में विश्वास करती थीं कि KCTMO फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट के तहत नहीं है, तो उन्हें यह दावा करना आवश्यक क्यों लगा कि सूचना कानून की एक उपधारा के तहत छूट प्राप्त है, स्पष्ट रूप से इससे निहितार्थ है कि वे मानती थीं कि KCTMO वस्तुतः फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट के तहत है?

सुश्री काफिड्या के निर्णय के स्पष्ट रूप से अर्थहीन आधार को चुनौती देते हुए, श्री डाफारन ने यह इंगित करते हुए जवाब दिया कि TMO की एकमात्र भूमिका या कार्य स्थानीय प्राधिकार, दी रॉयल ब्यूरो ऑफ किंग्स्टन एंड चेल्सा की स्वामित्व वाली आवास परिसंपत्ति का प्रबंधन है और उनके द्वारा धारित सूचना इसलिए स्थानीय प्राधिकार की ओर से धारित है और इसलिए कानून से छूट प्राप्त नहीं हो सकती है। श्री डाफार्न (Daffarn) ने इस आधार पर इनकार की समीक्षा के लिए अनुरोध किया।

कुछ ही दिनों में (वास्तविक एवं व्यापक समीक्षा करने के लिए कानून के द्वारा आवश्यक समय के लिए मुश्किल से ही पर्याप्त समय) उन्हें सुश्री काफिड्या अंतिम निषेध प्राप्त हुआ। आश्चर्यजनक रूप, से उन्होंने इस बार उन सभी कथनों कि TMO फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट से मुक्त है, का परित्याग कर दिया और इसके स्थान पर TMO के द्वारा निस्स्तण का निम्नलिखित कारण दिया;

" हालांकि Rydons सार्वजनिक हित में सेवा प्रदान कर रहा है, ठेकेदारों के साथ TMO के वाणिज्यिक संचार संवेदनशील हैं, ऐसे वाणिज्यिक संचार का प्रकटन ठेकेदार के वाणिज्यिक हितों को पूर्वाग्रहित करेगा या पूर्वाग्रहित करने की संभावना है। फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट की धारा 43 (2) के तहत ऐसी सूचना प्रकटन से मुक्त है। परिणामस्वरूप, हम आपके द्वारा अनुरोध की गई सूचना देने में असमर्थ है। फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट 2000 के अधीन यह ईमेल अस्वीकरण नोटिस के रूप में कार्य करता है।"

यह नोट करना दिलचस्प है कि श्री डाफारन ने बाद में मई 2016 में सुश्री काफिड्या के समक्ष एक अन्य FOI अनुरोध किया। इस बार उन्होंने RBKC में आवासन और संपत्ति जाँच समिति में TMO के द्वारा समर्पित रिपोर्ट की प्रतिलिपि के लिए अनुरोध किया। इस बार उन्हें सकारात्मक उत्तर प्राप्त हुआ:

"फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट,2000 के तहत आपके अनुरोध पर RBKC जाँच समिति के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट आपके विचारार्थ संलग्न है।

फोला काफिडिया – ओके FCIS
प्रशासन प्रमुख और कंपनी सचिव
दी रॉयल ब्यूरो ऑफ किंग्स्टन एंड चेल्सा
टेनंट मैनेजमेंट ऑर्गनाइजेशन लिमिटेड"

यह प्रतीत होता है कि इस समय तक सुश्री काफिड्या ने अपनी शंका या भ्रम कि क्या फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट के तहत KCTMO एक सार्वजनिक निकाय है या नहीं, का अंततः निराकरण कर लिया था। स्पष्ट रूप से उन्होंने महसूस कर लिया था कि TMO वस्तुतः एक सार्वजनिक निकाय है और वस्तुतः FOI ऐक्ट के अधीन है।

श्री डाफारन के साथ इस अंतिम पत्र-व्यवहार के कुछ समय के पश्चात उन्होंने TMO से त्यागपत्र दे दिया लेकिन यह देखना दिलचस्प है कि उनकी लिंक्ड-इन प्रोफाइल अब

KCTMO की प्रशासन प्रमुख और कंपनी सचिव के रूप में उनकी अवधि के संबंध में क्या कहती है। यह दावा करती है कि उन्होंने;

“ …सुनिश्चित किया कि समूह डेटा संरक्षण कानून, फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट तथा सार्वजनिक निकायों की सूचना तक पहुँच से संबंधित अन्य कानूनों का अनुपालन करे।”

https://uk.linkedin.com/in/folakafidiya

अतिरिक्त प्रमाण कि KCTMO, फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट के अधीन है और हमेशा रहा है, को FOI प्रकाशन योजना (सार्वजनिक निकायों के द्वारा अनुपालन का वैधानिक रूप से अनिवार्य तत्व) में पाया जा सकता है, जिसे TMO ने 2005 में पहली बार प्रकाशित किया और TMO की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। नोट: इस मामले में नई कंपनी सचिव को इस ब्लॉग को पढ़ कर TMO की वेबसाइट से इस दस्तावेज को मिटा कर एक अन्य को डालने का निर्णय करना चाहिए। हमनें एक प्रतिलिपि को अपलोड किया है, जिसे हमनें पहले डाउनलोड किया था:

TMO सूचना की स्वतंत्रता योजना

फोला काफिड्या के प्रस्थान के साथ एवं सिनेड मैक्क्विलन के द्वारा उनके प्रतिस्थापन के साथ, सूचना की स्वतंत्रता पर TMO की स्थिति का वृत पूरा हो गया प्रतीत होता है, इस अपवाद के साथ कि काफिड्या यह दावा TMO FOIA में सिर्फ स्थानीय प्राधिकार की ओर से धारित सूचना के लिए सार्वजनिक सूचना प्रकटन के लिए उत्तरदायी है, मैक्क्विलन के दावे कि वे ऐसे सूचना सिर्फ स्थानीय प्राधिकार न कि जनसामान्य को प्रदान करने के लिए उत्तरदायी है, ताकि स्थानीय प्राधिकार FOIA के तहत अपने दायित्वों को पूरा कर सकें, से प्रतिस्थापित हो गया है।

हालांकि 2005 की रिपोर्ट जिसके लिए मैंने अनुरोध किया है, जहाँ तक मैं कह सकता हूँ, कॉन्सिल के कब्जे में कभी नहीं रही है, और इसकी अनुशंसाओं पर कार्य करने का उत्तरदायित्व कॉन्सिल पर नहीं है, बल्कि TMO पर है, जिसमे सबसे पहले रिपोर्ट को अंगीकृत किया था। उनकी अनुशंसाओं में ग्रेनफेल टॉवर में आपातकालीन प्रकाशन प्रणाली का पूर्ण प्रतिस्थापन तथा निरीक्षणों की एक सुधरी हुई प्रणाली एवं नई प्रणाली की जाँच शामिल थी। इन अनुशंसाओं में पहले को लागू किया था, लेकिन गंभीर शंकाएँ निश्चित रूप से रही हैं कि क्या एक सुधरी हुई निरीक्षण प्रणाली को क्या कभी लागू किया गया था, या ऐसा लंबी अवधि तक जारी रही। TMO की प्रबंधन

संस्कृति में आमूल-चूल परिवर्तनों की भी अनुशंसा की गई थी और हम सभी जानते हैं कि इस विचार का क्या हुआ। नाडा! कुछ भी नहीं! घपला!

अब हम म्यूजिकल चेयर्स के विचित्र खेल में फंसे हैं, जिसमें TMO के निवासी हमेशा हारते हैं क्योंकि इस खेल के नियम TMO तय करता है और TMO इसका विश्लेषण करता है। इसमें फ्रीडम ऑफ इनफॉर्मेशन एक्ट पर उनकी नीति शामिल है, ऐसा दायित्व जिसके लिए TMO सनकपूर्ण ढंग से कभी-कभी स्वीकर करता है और अक्सर काल्पनिक बहानों के आधार पर अस्वीकार करता है कि TMO एक सार्वजनिक निकाय नहीं है और इसलिए जनसामान्य के प्रति उत्तरदायी नहीं है, जिसे यह सेवा प्रदान करता है और जिसे यह अग्नि सुरक्षा एवं समस्त स्वास्थ्य तथा सुरक्षा सेवाओं सहित सभी आवासन सेवाएँ प्रदान करता है।

म्यूजिकल चेयर्स के इस 'खेल' के संबंध में कुछ भी मजेदार नहीं है। 14 जून को सबसे बुरे तरीके से बहुत सारे लोग मारे गए। उस रात के शोकसंतप्त एवं 'जीवित बचे लोगों' में से अनेक बहुत ज्यादा संतप्त हैं और वे अपने शेष जीवन में उस रात के मनोवैज्ञानिक जख्मों के साथ रहेंगे। अब हमारे पास इस आपराधिक लापरवाही जिसने यह सब किया, में गहरे रूप से संलिप्त KCTMO है जो किसी भी बनाए जा सकने वाले बहाने के आधार पर धारित सूचना का प्रकटन करने से इनकार कर रहे हैं।

उत्तर के लिए अब हमें किसके पास जाना चाहिए?

मार्टिन मूर-बिक? मैं ऐसा नहीं सोचता हूँ!